



सर्वोच्च न्यायालय ने भ्रामक दावों पर पतंजलि आयुर्वेद को दी चेतावनी

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने लोकप्रिय आयुर्वेदिक उत्पाद कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को अपने **वजिजापनों** में व्याधियों के उपचार के संबंध में झूठे दावे करने के खिलाफ चेतावनी दी।

- **औषधि और चमत्कारिक उपचार (आकषेपणीय वजिजापन) अधिनियम, 1954**, औषधि वजिजापनों को नियंत्रित करता है और कुछ चमत्कारिक उपचारों के प्रोत्साहन पर प्रतिबंध लगाता है।
- यह अधिनियम में सूचीबद्ध वशिष्ट व्याधियों के लिये औषधियों के उपयोग का प्रोत्साहन करने वाले और औषधि की प्रकृति अथवा प्रभावशीलता का अनुचित प्रतिनिधित्व करने वाले वजिजापनों को प्रतिबंधित करता है।
- इसके अतिरिक्त यह उन्हीं व्याधियों के उपचार का दावा करने वाले चमत्कारिक उपचारों के वजिजापन पर रोक लगाता है।
 - अधिनियम के अनुसार **तावीज़, मंत्र, कवच** और किसी भी अन्य समान वस्तुओं के इस्तेमाल से व्याधियों के उपचार के लिये अलौकिक अथवा चमत्कारिक गुणों का दावा करना "चमत्कारिक उपचार" है।

और पढ़ें... [अनुचित वजिजापनों पर अंकुश लगाने के लिये दशिा-नरिदेश](#)

बँधुआ हाथी (स्थानांतरण या परविहन) नियम, 2024

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने **बँधुआ हाथी (स्थानांतरण या परविहन) नियम, 2024** को अधिसूचित किया है, जो राज्यों के अंदर या राज्यों के बीच **हाथियों** को स्थानांतरित करने की शर्तों को उदार बनाता है।

बँधुआ हाथी (स्थानांतरण या परविहन) नियम, 2024 क्या हैं?

- **बँधुआ हाथियों के स्थानांतरण की परस्थितियाँ:** स्थानांतरण तब हो सकता है, जब:
 - हाथी का **मालिक** अब हाथी के कल्याण को पर्याप्त रूप से **बनाए रखने में सक्षम नहीं है**।
 - यदि यह नरिधारित हो जाए, **हाथी को उसकी वर्तमान स्थिति की तुलना में नई परस्थितियों में बेहतर देखभाल की जा सकेगी**।
 - **मुख्य वन्यजीव वार्डन** मामले की वशिष्ट परस्थितियों के आधार पर हाथी के संरक्षण के लिये **इसे आवश्यक मान सकते हैं**।
- **राज्य के अंदर प्रक्रिया:**
 - किसी राज्य के अंदर स्थानांतरण से पहले, पशु चिकित्सक द्वारा **हाथी के स्वास्थ्य की पुष्टि की जानी चाहिये**।
 - वर्तमान और संभावित दोनों आवासों की उपयुक्तता को **उप वन संरक्षक** द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिये।
 - इन आकलनों के आधार पर स्थानांतरण की स्वीकृति या अस्वीकृति **मुख्य वन्यजीव वार्डन** के वविक पर नरिभर करती है।
- **राज्य के बाहर की प्रक्रिया:**
 - किसी राज्य के बाहर हाथियों को स्थानांतरित करने के लिये भी इसी तरह की शर्तें लागू होती हैं।
 - इसके अतिरिक्त, स्थानांतरण से पहले **हाथी की आनुवंशिक प्रोफाइल** को MoEF&CC के साथ **पंजीकृत किया जाना चाहिये**।
- **हाथी स्थानांतरण के लिये आवश्यकताएँ:**
 - हाथी के साथ एक **महावत और एक हाथी सहायक** होना चाहिये।
 - परविहन के लिये उपयुक्तता की पुष्टि करने वाले पशु चिकित्सक से स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य है।
 - यदि संक्रामक रोगों के लिये आवश्यक हो, तो क्वारंटाइन अवधि पूरी होने के बाद परविहन होना चाहिये।

- परविहन के दौरान उचित भोजन और पानी की व्यवस्था की जानी चाहिये ।
- घबराए या चड़िचड़ा हाथियों को नयितरति करने के लिये पशु चकितिसक के परामरश पर ट्रैक्वलाइजर/शामक दवाओं का उपयोग कया जाएगा ।

नोट:

- अगस्त 2022 तक, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 ने जंगली औरबंदी हाथियों सहित दोनों वन्यजीवों के व्यापार पर स्पष्ट रूप से प्रतबिंध था ।
- बंदी हाथी (स्थानांतरण या परविहन) नयिम, 2024, [वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 2022](#) में संशोधन से नरिमति कयि गए है, जसिमें बंदी हाथियों को वन्यजीव व्यापार पर प्रतबिंध से छूट दी गई है ।
 - एक संसदीय समतिने हाथियों के लिये इस छूट को हटाने औरसरिफ मंदरि ट्रस्टों के स्वामतिव वाले हाथियों के लिये छूट प्रदान करने की सफिरशि की तथा तर्क दया, कपिरंपराओं एवं संरक्षण के बीच "सावधानीपूर्वक संतुलन" की आवश्यकता है ।
 - अंतमि संशोधति अधिनियम इस छूट को यथावत रखता है, उन हाथियों के स्थानांतरण की अनुमति देता है,जनिके पास पहले से ही स्वामतिव का प्रमाण-पत्र है, भले ही इसे हटाने के प्रस्ताव कयि गए थे ।

हाथी



Drishti IAS

हाथी की 4 मुख्य प्रजातियाँ

| प्रजातियाँ | जहाँ पाई जाती हैं | IUCN रेड लिस्ट में दर्ज स्थिति | अधिवास |
|-------------------|-------------------|--|--|
| भारतीय | एशिया | संकटग्रस्त (CITES - परिशिष्ट I, WPA - अनुसूची I) | उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण शुष्क एवं नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन, घास के मैदान |
| सुमात्राई | एशिया | गंभीर संकटग्रस्त | उष्णकटिबंधीय नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन |
| सवाना (बुश) | अफ्रीका | संकटग्रस्त | मध्य अफ्रीका के घने उष्णकटिबंधीय वनों को छोड़कर पूरे उप-सहारा अफ्रीका में |
| अफ्रीकी वन्य हाथी | अफ्रीका | गंभीर संकटग्रस्त | घने उष्णकटिबंधीय वन |

भारतीय हाथी (Elephas maximus)

एशियाई महाद्वीप पर सबसे बड़ा स्तनपायी जीव
भारत का राष्ट्रीय धरोहर पशु

- हाथियों की अधिकतम आबादी वाले शीर्ष 5 भारतीय राज्य: (हाथी जनगणना 2017 के अनुसार)
 - कर्नाटक> असम> केरल> तमिलनाडु> ओडिशा
- सामाजिक संरचना:
 - नर की तुलना में मादा हाथी अधिक सामाजिक होती हैं; जो कि झुंड में (आमतौर पर 5-7) रहती हैं
 - जिसका नेतृत्व सबसे बुजुर्ग मादा हाथी करती है
 - नर आमतौर पर अकेले रहते हैं

- प्रमुख खतरे:
 - घटते आवास
 - मानव-हाथी संघर्ष
- हाथीदांत के लिये अवैध शिकार
- पालन में दुर्व्यवहार
- संरक्षण के प्रयास:
 - गज सूचना ऐप (2022)
 - गज यात्रा (2017)
 - हाथी मेरे साथी अभियान (2011)
 - राष्ट्रीय हाथी गलियारा परियोजना (2005)
 - हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी (माइक) कार्यक्रम (2003)
 - प्रोजेक्ट एलिफेंट (1992)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारतीय हाथियों के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2020)

1. हाथियों के समूह का नेतृत्व मादा करती है ।
2. गर्भधारण की अधिकतम अवधि 22 महीने हो सकती है ।
3. एक मादा हाथी सामान्य रूप से केवल 40 वर्ष की आयु तक बच्चे को जन्म दे सकती है ।

4. भारतीय राज्यों में सबसे अधिक हाथी जनसंख्या केरल में है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 4
- (c) केवल 3
- (d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (a)

रेफ्रजिरेट्स

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

अमेरिका के सैन डिएगो में हाल ही में एक अदालती मामले में मेक्सिको से अमेरिका में प्रतबंधित रेफ्रजिरेट की तस्करी पर प्रकाश डाला गया, जिससे ऐसी अवैध गतिविधियों के पर्यावरणीय परिणामों पर प्रकाश पड़ा।

- वचाराधीन रेफ्रजिरेट [हाइड्रोफ्लोरोकार्बन](#) हैं और हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन का एक रूप है, जिसे **HCFC 22** के रूप में जाना जाता है।

रेफ्रजिरेट क्या हैं?

- **परिचय:** रेफ्रजिरेट एक रासायनिक पदार्थ है जिसका उपयोग **रेफ्रजिरेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम में किया जाता है।**
 - वे उष्मा को अवशोषित करके और हवा या वस्तुओं को ठंडा करने के लिये इसे एक चक्र में स्थानांतरित करके काम करते हैं।
 - उनका **कवथनांक आमतौर पर कम होता है**, जिससे वे वाष्पित हो जाते हैं और आसपास के वातावरण को अपेक्षाकृत कम तापमान पर ठंडा कर पाते हैं।
 - **उदाहरण:** क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFC), हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (HCFC), हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFC)।
- **HFC और HCFC:** 1990 के दशक में **हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFC) और हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (HCFC) ने प्रशीतन/रेफ्रजिरेशन तथा एयर कंडीशनिंग सिस्टम में क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFC) के विकल्प के रूप में लोकप्रियता हासिल की।**
 - यह बदलाव तब आया जब वर्ष 1985 में अनुसंधान ने पुष्टि की कि CFC अंटार्कटिका के ऊपर असामान्य रूप से कम **ओज़ोन सांद्रता** पैदा कर रहा था, जिससे **ओज़ोन छदिर** की घटना हुई।
 - HFC और HCFC सहित रेफ्रजिरेट मुख्य रूप से तब वायुमंडल में छोड़े जाते हैं जब उपकरण अपने जीवन के अंत तक पहुँचते हैं तथा **अनुचित तरीके से नपिटाए जाते हैं**, जो पर्यावरण प्रदूषण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

रेफ्रजिरेट्स के उपयोग को कम करने हेतु विश्व स्तर पर क्या उपाय किये गए हैं?

- **ओज़ोन परत के संरक्षण के लिये वियना कन्वेंशन (वियना कन्वेंशन) पर वर्ष 1985 में सहमति हुई थी।** इसने ओज़ोन रक्षितकरण पर वैश्विक नगरानी और रिपोर्टिंग की स्थापना की।
 - वर्ष 1987 में लगभग **200 देशों** ने CFC जैसे **ओज़ोन-घटाने वाले पदार्थों** के उत्पादन और उपयोग को रोकने के उद्देश्य से **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पर हस्ताक्षर किये।
 - भारत वर्ष 1992 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का हस्ताक्षरकर्त्ता बन गया।
 - प्रोटोकॉल में **वर्ष 1996 तक CFC और वर्ष 2030 तक HCFC को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने का आदेश दिया गया था**, ओज़ोन परत पर उनके कम प्रभाव के कारण HCFC एक अस्थायी समाधान के रूप में कार्य कर रहे थे।
 - नतीजतन, HFC प्राथमिक रेफ्रजिरेट के रूप में उभरे क्योंकि वे ओज़ोन परत को खराब नहीं करते हैं।
 - हालाँकि बाद में इन्हें **शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसों** के रूप में पहचाना गया।
- **जलवायु और स्वच्छ वायु गठबंधन** की रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि शून्य ओज़ोन-क्षय क्षमता होने के बावजूद HFC ग्लोबल वार्मिंग में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
 - वर्ष 2016 में 150 से अधिक देशों ने **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के तहत कगाली संशोधन** पर सहमति व्यक्त की, जिसका **लक्ष्य वर्ष 2040 के अंत तक HFC खपत को 80-85% तक कम करना था।**
 - भारत भी कगाली संशोधन का हस्ताक्षरकर्त्ता है।

- भारत वर्ष 2032 से 4 चरणों में न्यंत्रित उपयोग के लिये HFC के उत्पादन एवं खपत में कमी के चरण को पूरा करेगा, जिसमें वर्ष 2032 में 10%, वर्ष 2037 में 20%, वर्ष 2042 में 30% तथा वर्ष 2047 में 85% की संचयी कमी होगी।
- कगाली संशोधन के सफल कार्यान्वयन से वर्ष 2100 तक संभावित रूप से 0.4°C से अधिक ग्लोबल वार्मिंग को रोका जा सकता है।

नोट: वियना कन्वेंशन एवं मॉन्टरियल प्रोटोकॉल 197 पार्टियों के साथ सार्वभौमिक अनुसमर्थन प्राप्त करने वाली पहली और एकमात्र वैश्विक पर्यावरण संधियाँ हैं।

| फ्लोरोकेमिकल | ओज़ोन क्षय की संभाव्यता | ग्लोबल वार्मिंग की संभाव्यता |
|-----------------------------------|-------------------------|------------------------------|
| क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs) | उच्च | उच्च |
| हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (HCFCs) | न्यून | उच्च |
| हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs) | शून्य | उच्च |
| हाइड्रोफ्लोरोओलेफिन (HFOs) | शून्य | अति न्यून |

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न 1. नमिनलखिति में से कौन-सा एक, ओज़ोन का अवक्षय करने वाले पदार्थों के प्रयोग पर न्यंत्रण और उन्हें चरणबद्ध रूप से प्रयोग से बाहर करने के मुद्दे से संबंध है? (2015)

- बरेटन वुड्स सम्मेलन
- मॉन्टरियल प्रोटोकॉल
- क्योटो प्रोटोकॉल
- नागोया प्रोटोकॉल

उत्तर: (b)

प्रश्न 2. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये: (2012)

- क्लोरोफ्लोरोकार्बन, जसि ओज़ोन-हरासक पदार्थों के रूप में जाना जाता है, उनका प्रयोग
- सुघट्य फोम के नरिमाण में होता है
- ट्यूबलेस टायरों के नरिमाण में होता है
- कृछ वशिषिट इलेक्ट्रॉनिक अवयवों की सफाई में होता है
- एयरोसोल कैन में दाबकारी एजेंट के रूप में होता है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- केवल 1, 2 और 3
- केवल 4
- केवल 1, 3 और 4
- 1, 2, 3 और 4

उत्तर: c

ट्वनि स्टार ससि्टम में ग्रहों की असुथरिता

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

ग्रह प्रणालियों की सुथरिता और गतशीलता ने लंबे समय से खगोलविदों को आकर्षित किया है, हाल ही में हुए एक अध्ययन में ट्वनि स्टार ससि्टम के भीतर शोध पर प्रकाश डाला गया है।

- **नेचर जर्नल** में प्रकाशित यह अध्ययन ऑस्ट्रेलिया में मोनाश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था, जो इन खगोलीय वन्यासों के भीतर ग्रहों की असुथरिता की संभावना और **ग्रहों के अंतरग्रहण (तारा एक ग्रह को घेर लेता है)** की प्रक्रिया की जाँच करता है।
- अध्ययन में **"ट्वनि या जुडवों"** कहे जाने वाले तारों के 91 युग्मों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो समान रासायनिक संरचना साझा करते हैं और समान द्रव्यमान तथा उम्र के होते हैं, जो एक ही अंतर-तारकीय बादल से उत्पन्न होते हैं जिन्हें सह-जन्मजात सितारे भी कहा जाता है।
 - अपनी समानताओं के बावजूद ये ट्वनि स्टार गुरुत्वाकर्षण से बंधे बाइनरी ससि्टम नहीं हैं।

- जब कोई तारा किसी ग्रह को घेर लेता है, तो उसकी रासायनिक संरचना बदल जाती है, जिससे शोधकर्त्ता वशिष्ट तत्त्वों के उच्च स्तर वाले तारों को चट्टानी ग्रहों के अवशेष के रूप में पहचानने लगते हैं।
 - आश्चर्यजनक रूप से इस ट्वनि स्टार सिस्टम की एक महत्त्वपूर्ण संख्या ने ग्रहों को नगिलने के संकेत दिये, जिसके परिणामस्वरूप उनकी रासायनिक संरचना में परिवर्तन हुआ।
- अध्ययन से यह संकेत मिलता है कि ग्रहों की अस्थिरता पहले की तुलना में अधिक प्रचलित हो सकती है, लगभग 8% देखे गए युग्मों ग्रह अंतर्ग्रहण के संकेत प्रदर्शित करते हैं।
 - यह शोध ग्रह प्रणाली की स्थिरता की पारंपरिक समझ को चुनौती देता है, जिससे पता चलता है कि अध्ययन किये गए ट्वनि स्टार के एक उल्लेखनीय अंश में एक तारा शामिल था, जिसने एक ग्रह का अंतर्ग्रहण किया था।

और पढ़ें: [बृहस्पति के आकार के ग्रह को नगिलने वाला तारा](#)

वशिव युवा गठिया रोग दविस

[स्रोत: द हट्टि](#)

वशिव युवा गठिया रोग दविस (18 मार्च) युवा व्यक्तियों में [गठिया रोगों](#) के बारे में शीघ्र पता लगाने और जागरूकता के महत्त्व को रेखांकित करता है।

- गठिया रोग एक व्यापक शब्द है जो गठिया के साथ-साथ कई अन्य स्थितियों को संदर्भित करता है जो जोड़ों, टेंडन, स्नायुबंधन, हड्डियों एवं मांसपेशियों को प्रभावित करते हैं।
- सबसे प्रचलित बाल गठिया संबंधी विकार जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस (JIA) में सूजन संबंधी गठिया के विभिन्न उपप्रकार शामिल हैं, जो वशिव भर में बच्चों के बीच एक महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य चुनौती उत्पन्न करता है।
 - JIA की वैश्विक व्यापकता प्रति 1,000 बच्चों पर 0.07 से 4 तक है, विभिन्न क्षेत्रों में वितरण प्रणाली अलग-अलग है।
 - JIA से पीड़ित बच्चों को आमतौर पर जोड़ों में दर्द, सूजन एवं कार्यात्मक सीमाओं का अनुभव होता है, जो विशेष रूप से सुबह अथवा आराम की अवधि के बाद होता है।
 - JIA विभिन्न जोड़ों को प्रभावित कर सकता है, जिससे उपप्रकार के आधार पर विभिन्न कार्यात्मक सीमाएँ जैसे बगिड़ी हुई गतिशीलता तथा लखिने एवं खाने जैसी गतिविधियों में कठिनाई हो सकती है।
 - JIA के लिये चिकित्सीय विकल्पों में स्टैरॉयड रोग-संशोधित एंटीर्यूमेटिक दवाएँ (DMARD), एवं नई जैविक दवाएँ भी शामिल हैं, जिनका उद्देश्य प्रतिक्रिया प्रणाली को नियंत्रित करने के साथ उसके लक्षणों का प्रबंधन करना है।
 - चुनौतियों में सीमिति जागरूकता एवं वलिंबिति नदिान शामिल हैं, जो बड़ी हुई सामुदायिक जागरूकता के साथ सुव्यवस्थित रेफरल तंत्र की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।
 - JIA के प्रबंधन में प्रारंभिक हस्तक्षेप महत्त्वपूर्ण है, अध्ययनों में सर्वोत्तम परिणामों हेतु बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजिस्ट को समय पर रेफरल के महत्त्व पर जोर दिया गया है।

और पढ़ें... [आमवाती बुखार/रुमेटिक फीवर से लड़ने के लिये पेनसिलिनि का पुनरुद्धार](#)

Paytm को NPCI से मिला थर्ड-पार्टी लाइसेंस

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया](#)

[नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया](#) ने हाल ही में मल्टी-बैंक मॉडल के तहत थर्ड-पार्टी एप्लीकेशन प्रोवाइडर (TPAP) के रूप में [यूनफाइंड पेमेंट्स इंटरफेस](#) में भाग लेने के लिये Paytm के मालिक One97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड को मंजूरी दे दी है।

- एक्सिस बैंक, HDFC बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और यस बैंक Paytm के लिये भुगतान प्रणाली प्रदाता (Payment System Provider- PSP) बैंकों के रूप में कार्य करेंगे।
 - पहले, Paytm अपने स्वयं के [भुगतान बैंक लाइसेंस](#) के माध्यम से संचालित होता था। हालाँकि नियामक गैर-अनुपालन के कारण RBI ने [Paytm पेमेंट्स बैंक पर कई प्रतिबंध लगाए](#)।
- TPAP ऐसी संस्थाएँ हैं जो ग्राहकों और व्यापारियों को एप्लीकेशन या प्लेटफॉर्म के माध्यम से जोड़कर UPI भुगतान की सुविधा प्रदान करती हैं।
 - ये मध्यस्थ के रूप में कार्य करती हैं, नरिबाध लेन-देन सुनिश्चित करती हैं और UPI ईको-सिस्टम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए

प्रतदिनि लाखों लेन-देन संभालती हैं।

- **भुगतान एवं नपिटान प्रणाली अधनियम, 2007** के तहत **RBI** और **भारतीय बैंक संघ** के बीच सहयोग से गठति NPCI भारत के भुगतान एवं नपिटान अवसंरचना को बढ़ाने के लयि एक गैर-लाभकारी इकाई के रूप में कार्य करती है।
 - इसका उद्देश्य बैंकगि क्षेत्र को भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों भुगतान समाधान प्रदान करना, परचालन दक्षता बढ़ाने तथा भुगतान प्रणाली की पहुँच का वसितार करने के लयि प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना है।

और पढ़ें: [RBI ने Paytm पेमेंट्स बैंक पर परतबिंध लगाया](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/prelims-facts/23-03-2024/print>

